प्राथमिक अंग्रेज़ी

TESS India

पाठ की तैयारी करना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

The Open University

UKaid from the British people

http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के ज़रिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है छात्र-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोण के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। TESS-India OERs शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने छात्रों के साथ प्रयोग के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त-अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए पाठ योजनाएँ तैयार करने तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और यह ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)। OERs भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को उन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय ज़रूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: 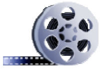 *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार की परिपाटियों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है, लेकिन यदि आप उन्हें हासिल नहीं कर पाते हैं तो वे उनके लिए अनिवार्य नहीं हैं।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट (http://www.tess-india.edu.in/) से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE07v1
All India - Hindi

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई किसी कहानी, पुस्तक या पाठ्यपुस्तक के पाठ से जुड़ी विभिन्न भाषाओं और साक्षरता गतिविधियों की योजना बनाने के तरीके के बारे में है। यह इकाई इन गतिविधियों के समूह कार्यों के प्रबंधन पर भी ध्यान केंद्रित करती है।

किसी कहानी, कविता या अखबार के लेख से भी आप बहुत कुछ कर सकते हैं। आप अंग्रेज़ी पाठों के लिए जो भी पाठ्य वस्तु चुनते हैं, उस से

जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से वह अंग्रेज़ी भाषा कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए प्रारंभिक बिंदु हो सकता है।

छात्रों को नए अनुभव अच्छे लगते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी दिनचर्या भी अच्छी लगती है, जिसमें नए कौशल और विचारों का अभ्यास करने के अवसर बार–बार मिलें। इन कारकों का अर्थ यह है कि आप अपनी अंग्रेज़ी कक्षा के लिए जो पुस्तक चुनते हैं, आपको उस पर केन्द्रित विभिन्न तरह की गतिविधियों की योजना बनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आप छात्रों और कक्षाओं के विविध समूहों की आवश्यकताओं के अनुसार अपनी गतिविधियों को अनुकूलित भी कर सकते हैं।

इस इकाई की गतिविधियाँ आपको क्रमबद्ध रूप से, आपकी पसंद की पुस्तक पर आधारित अनेक गतिविधि पाठों के नियोजन, उनकी तैयारी, प्रबंधन और मूल्यांकन तक ले जाएँगी।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक के पाठों का विस्तार करना।
- अंग्रेज़ी पाठों से जुड़ी गतिविधियों की योजना तैयार करना।
- अंग्रेज़ी के लिए कक्षा प्रबंधन कौशल विकसित करना।

1 एक कहानी, कई गतिविधियाँ

जब आप किसी एक कहानी या कविता पर केंद्रित कई तरह की गतिविधियों की योजना बनाते हैं, तो आप भाषा सीखने में छात्रों की अलग अलग ज़रूरतों पर ध्यान दे सकते हैं। केस स्टडी 1 में, एक शिक्षिका एक परिचित कहानी से जुड़ी कई गतिविधियों की योजना बनाती है।

केस स्टडी 1: मैथिली मिश्रित आयु–वर्गों के लिए एक से अधिक गतिविधियों की योजना बनाती है

मैथिली पहली, दूसरी और तीसरी कक्षाओं के छात्रों के मिश्रित आयु वाले बड़े समूह को पढ़ाती हैं।

मेरी कक्षा में अलग अलग उम्र और क्षमताओं वाले छात्र हैं। अलग–अलग समूहों को भाषा की अलग अलग पुस्तकें देने के बजाय, मैं एक कहानी पर आधारित शिक्षा गतिविधियों की योजना बनाती हूँ, जिसे प्रत्येक समूह अपने–अपने स्तर के अनुसार हासिल कर सकें।

उदाहरण के लिए, मेरे सभी छात्रों को 'The Puri Boy' [संसाधन 1 देखें] की कहानी पसंद है। इस कहानी के लिए, मैंने अलग अलग आयु समूहों के लिए चार गतिविधियों की योजना बनाई। मैंने छात्रों को समूहों में रखा और इन समूहों का एक चार्ट दीवार पर लगा दिया इसके बाद मैंने कक्षा में तैयारी की, ताकि सप्ताह के हर दिन एक समूह के पास 'Puri Boy' गतिविधि पर काम करने के लिए एक स्थान हो। छोटे छात्र मेरे साथ काम करते हैं, और बड़े छात्र स्वतंत्र रूप से काम करते हैं – यह उनके लिए सीखने का एक अच्छा कौशल है।

दो सप्ताह की अवधि में, मैं समूहों को बारी–बारी से इन सभी गतिविधियों में शामिल करती हूँ। मैं एक और दीवार चार्ट बनाती हूँ, जिसमें बताया जाता है कि प्रतिदिन प्रत्येक समूह क्या काम करेगा। 'समूह का चार्ट' और 'गतिविधि चार्ट' छात्रों को अंग्रेज़ी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

कभी–कभी मैं समूहों को मिश्रित कर देती हूँ, ताकि बड़ी उम्र वाले छात्र छोटे छात्रों की मदद करें। साथ ही, मैं बड़े छात्रों से यह उम्मीद रखती हूँ कि वे छोटे छात्रों की तुलना में अधिक लेखन कार्य करें।

कहानी 'Puri Boy' के लिए मेरी कुछ गतिविधियाँ नीचे दी गयी हैं। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि किस समूह ने मेरे साथ काम किया और किस समूह ने स्वतंत्र रूप से काम किया?

1. चित्रों के आधार पर कहानी को आगे बढ़ाएं और कुत्ता, बकरी, बैल, सांड, हाथी या बंदर जैसे अन्य जानवरों और उनकी आवाजों को शामिल करें। छात्र मुझे अपनी मातृभाषाओं में इन जानवरों के नाम बताएँगे।
2. बोर्ड से पढ़ें और अन्य क्रिया शब्दों का अभ्यास करें:
    - Run, run, as fast as you can
    - Jump, jump, as high as you can
    - Skip, skip, as far as you can

- o Walk, walk, as far as you can

शारीरिक अक्षमताओं वाले छात्र खुद को उपेक्षित महसूस न करें, यह सुनिश्चित करने के लिए इन वाक्यांशों का उपयोग किया जा सकता है:

- o Eat, eat as much as you can
- o Clap, clap as loud as you can
- o Sleep, sleep as long as you can

3. शब्द खोज: छात्र इन शब्दों में छिपे दूसरे शब्द/शब्दों की पहचान करते हैं: 'catch', 'woman', 'late', 'fast' और 'dough'। कम सक्षम छात्र और छोटे छात्र चित्रों और शब्दों का मिलान करते हैं।
4. जोड़ियों में अंग्रेजी संवाद लिखें और अभ्यास करें एक छात्र बोलने वाली पूड़ी है और दूसरा छात्र उस पूड़ी से बात कर रहा है। कहानी के इन शब्दों और वाक्यांशों के उपयोग के साथ शुरुआत करें, और 'Oh no! Don't eat me! I will run away!' जैसे अन्य अंग्रेज़ी वाक्यांशों को आजमाकर देखें।

मैं हमेशा सक्षम छात्रों के करने के लिए कुछ बड़ी गतिविधियों की योजना बनाती हूँ, जैसे:

- कहानी का विस्तार करें और इसके अलग अलग अंत: के बारे में विचार करके बताएँ या लिखें कि यदि लोमड़ी 'पूड़ी बालक' को नहीं खाती तो क्या हुआ होता।
- बोलने वाली कार, बोलने वाली गुड़िया, या बोलने वाली चपाती जैसे नए पात्र बनाएँ और इन नए पात्रों के साथ नई कहानियां लिखें या सुनाएँ।

अंत में, मैं पूरी कक्षा के करने के लिए गतिविधियों की योजना बनाती हूँ। ऐसा करने से सभी लोग साथ मिलकर सीखते हैं:

- मुखौटा बनाना: कागज़ की एक शीट पर कहानी के किसी भी पात्र का चित्र बनाएँ। उसकी आँखों को काट लें। मुखौटे के दोनों तरफ एक–एक छिद्र बनाएँ। इन छिद्रों में धागा डालें और उसके सिरों पर गाँठ लगाएँ। शिल्प निर्देशों के माध्यम से बताई गई अतिरिक्त शब्दावली सीखें, उदा. 'draw', 'cut', 'string', 'eyes', आदि। शिल्प संसाधनों पर अंग्रेज़ी में लिखें।
- नाटक लेखन: पात्रों के बीच संवाद, नए पात्रों, नए क्रिया शब्दों और मुखौटों का उपयोग करके कहानी का अभिनय करना।

छात्र उसी कहानी पर वापस लौटने में बोरियत महसूस नहीं करते। एक कहानी पर केंद्रित अलग अलग गतिविधियों की योजना बनाने से उन्हें – और मुझे – एक परिचित और मज़ेदार विषय–वस्तु का उपयोग करके बार–बार अंग्रेज़ी का अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। एक पुस्तक पर केंद्रित अनेक गतिविधियों के कारण, छात्रों को अंग्रेज़ी के उपयोग का आत्मविश्वास विकसित करने का समय मिलता है और जब मैं समूहों में काम करती हूँ, तो मुझे मूल्यांकन के अवसर मिलते हैं।

विचार के लिए रुकें

- क्या आपको लगता है कि आपके छात्रों को इस तरह की कहानी पर आधारित पाठ अच्छे लगेंगे? क्यों या क्यों नहीं?
- एक शिक्षक के रूप में, इस तरह के पाठों का आयोजन करने में आपके लिए क्या कठिनाइयां हैं?
- क्या आपको लगता है कि सारे सत्र आयोजित न हो, लेकिन आप इस तरह के कुछ सत्र आयोजित कर सकते हैं?

आगे आने वाली गतिविधियों से आपको एक से अधिक गतिविधि सत्रों की योजना बनाने, प्रबंधन करने और मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी।

गतिविधि 1: एक कहानी के साथ एक से अधिक गतिविधियों की योजना बनाएं

यदि संभव हो, तो यह गतिविधि अपने सहकर्मियों के साथ करें। नीचे दी गई लघुकथा का उपयोग करें या अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से कोई कहानी चुनें।

'Raja'

Raja called Shyama to come and play with him. Shyama said that he had to work and could not play. Raja went to a field with a ball. Raja saw honey bees and called them to play. The honey bees said they could not play as they had to work. He then saw ants. Raja called out, 'Ants! Ants! Come let us play!' 'No, we cannot play. We have to work,' said the ants. Raja went home. He helped his father at work. Father said, 'You are a good boy.' Raja felt happy.

साथियों के लिए राजा की खोज की कहानी पर आधारित संभावित गतिविधियों पर विचार करें और उन्हें सूचीबद्ध करें। ऐसी गतिविधियों के बारे में सोचें, जिनमें निम्नलिखित तत्व शामिल हो सकते हैं:

- कला और शिल्प
- खेल
- नाटक, वार्तालाप या भूमिका अदा करना
- पढ़ना
- लिखना
- अंग्रेजी का उपयोग करके अन्य विषयों से जुड़ना

ऐसा करते समय, अपने छात्रों की अलग अलग क्षमताओं के बारे में सोचें। इन गतिविधियों से किस तरह उन्हें सीखने में सहायता मिल सकती है?

यहाँ बताया गया है कि राजा की कहानी के लिए कक्षा तीन के शिक्षकों ने क्या सोचा। प्रत्येक गतिविधि में, अंग्रेज़ी पढ़ने, लिखने या बोलने पर ज़ोर दिया गया है।

- **शिल्प गतिविधि:** कीड़े–मकोड़ों और जानवरों के मुखौटे बनाएँ। यदि कक्षा में आंशिक दृष्टिदोष वाले या नेत्रहीन छात्र हैं, तो अन्य छात्र उनके लिए मुखौटों की रूपरेखा बनाएँगे। साधनों और सामग्रियों (मुखौटा, कागज़, कैंची, पेंट, धागा) पर अंग्रेज़ी में लिखें।

- **नाटक/भूमिका निभाना:** वार्तालाप के अनुसार अभिनय करें, शिल्प गतिविधि में तैयार किए गए मुखौटों का उपयोग करके अन्य जानवर और राजा के मित्र जोड़ें। अंग्रेज़ी उच्चारण और बोलने का अभ्यास करें।
- **पढ़ना और शब्दावली का विकास:** वाक्यों 'Come let us play' और 'No, we cannot play' को चाकबोर्ड पर या पाठ्यपुस्तक से देखते हुए एक साथ मिलकर यह कहानी ऊंची आवाज़ में पढ़ें। वाक्यों के अलग अलग शब्दों के लिए नए विकल्पों का उपयोग करें और उन्हें साथ मिलकर पढ़ें. जैसे 'Come let us dance', 'Come let us cook' या 'Come let us sing', और 'No, we cannot dance/cook/sing'। नई शब्दावली पर ध्यान केंद्रित करें।
- **लिखना:** कहानी के दृश्यों के चित्र बनाएं तथा वार्तालाप को स्पीच बबल्स (speech bubbles) में लिखें। जिन छात्रों को लिखने में कठिनाई होती है, उन्हें दृश्यों पर लेबल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अंग्रेज़ी में लिखने के प्रयासों को प्रोत्साहित करें।
- **अन्य विषयों को जोड़ें :** कीड़े मकोड़ों और जानवरों के निवास–स्थानों, तथा कीड़ों और स्तनपायी जानवरों के बीच अंतरों का वर्णन करने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करें। भाषा शिक्षा के अलावा भी अंग्रेज़ी का उपयोग करें।

अब अधिकतम तीन ऐसी गतिविधियाँ चुनें, आपके अनुसार जिन्हें एक लघुकथा या कविता का उपयोग करके कार्यान्वित किया जा सकता है। ऐसा पाठ चुनें, जिसमें आपको और आपके छात्रों को मज़ा आएगा। ऐसी गतिविधियाँ चुनें, जिन्हें छात्रों के साथ करने में आप आत्मविश्वासी महसूस करें। आपको किसी शिल्प या खेल के बारे में ज्यादा आत्मविश्वास महसूस हो सकता है, या आप किसी पठन गतिविधि के साथ अधिक सुरक्षित महसूस कर सकते हैं। जब आपने कोई कहानी चुन ली हो और कुछ गतिविधियों पर विचार कर लिया हो तो इन विचारों पर अपने सहकर्मियों के साथ चर्चा करें। उनका फीडबैक लें और अपने विचारों में बदलाव करें।

विचार के लिए रुकें

- क्या आप समूहों में छात्रों को आयु वर्गों के अनुसार रखेंगे या योग्यता के अनुसार रखेंगे।
- क्या आप अलग अलग गतिविधियाँ करने वाले दो या तीन समूह बनाएँगे, या सभी छात्र एक ही गतिविधि करेंगे?
- आप अपनी कक्षा में स्थान किस तरह व्यवस्थित करेंगे?
- आपको किन संसाधनों की आवश्यकता होगी?
- आप छात्रों को अपनी योजनाओं की जानकारी किस तरह देंगे?
- सीखने की आवश्यकता वाले छात्रों के लिए आपको कौन–सी अतिरिक्त योजनाएँ बनानी होंगी?

एक से अधिक गतिविधियों में छात्रों को व्यवस्थित करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 2, 'समूह कार्य का उपयोग करना' देखें।

अब गतिविधि जारी रखें, और इसमें अधिक विवरण जोड़ें।

गतिविधि 2: एक से ज्यादा गतिविधियों के लिए विस्तृत योजना

जब नियोजन विस्तृत और लचीला हो, तब एक से ज्यादा गतिविधियाँ अच्छी तरह काम करती हैं। कुछ विचारणीय बिंदु निम्नलिखित हैं।

समय निर्धारण

निर्देश देने, छात्रों के समूह बनाने, उपकरणों को ले जाने और संसाधनों का वितरण करने के लिए लगने वाले समय सहित प्रत्येक गतिविधि के लिए आपको कितना समय लगेगा?

उदाहरण के लिए, केस स्टडी 1 में Puri Boy गतिविधियाँ:

- कहानी सुनाना या पढ़ना: 20 मिनट
- नए क्रिया शब्द पढ़ाना और उनका अभ्यास करना: 15 मिनट (जिसमें छात्रों को एक गोले में खड़े रहने और सुनने, दोहराने आदि के निर्देश देना शामिल है)
- मुखौटा बनाना: 30 मिनट (जिसमें संसाधन वितरित करना और निर्देश दोहराना शामिल है)।

जैसा कि आप देख सकते हैं, सब कुछ अच्छी तरह करने के लिए कक्षा के एक पीरियड का समय पर्याप्त नहीं है। गतिविधियों का नियोजन दो या तीन पीरियड के लिए, या सप्ताह के अलग अलग दिनों के लिए किया जाना चाहिए। विद्यालय का कैलेंडर देखकर एक उपयुक्त समय तय करें, ताकि बिना किसी व्यवधान के गतिविधियाँ की जा सकें।

अंग्रेज़ी भाषा

गतिविधियों को अंग्रेज़ी भाषा सीखने के अवसरों में बदलें। आप छात्रों से किन शब्दों या वाक्यांशों का अभ्यास करवाना चाहते हैं? आप कैसे सुनिश्चित करेंगे कि इनका उपयोग किया जाता है? इन शब्दों और वाक्यांशों की एक सूची बनाएँ। आप उन्हें अपनी कक्षा में बोर्ड पर या एक पोस्टर पर प्रदर्शित कर सकते हैं।

कक्षा का स्थान और व्यवस्था

आपको अपनी कक्षा का सेट अप (संरचना) बदलने की ज़रुरत पड़ सकती है। क्या आपको कुर्सियाँ या डेस्क की जगह बदलने की ज़रुरत होगी? इस काम में छात्र आपकी मदद कर सकते हैं। आप एक गतिविधि शुरू करने, रोकने या दूसरी गतिविधि में जाने के लिए छात्रों को किस प्रकार व्यवस्थित करेंगे? छात्रों को व्यवस्थित करने और उनका ध्यान आकृष्ट करने के लिए अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यांशों का अभ्यास करें। यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं:

- ‘Turn around and face each other.’
- ‘Turn your chairs around.’
- ‘Form a circle.’
- ‘Move around quietly.’
- ‘Listen to me.’
- ‘Is everyone ready?’
- ‘Please stop and look at me.’
- ‘It’s time to stop now.’

अब अपने लिए गतिविधि, कक्षा और छात्रों से संबंधित कुछ वाक्यांश तैयार करें। घर पर या किसी सहकर्मी के साथ इनका अभ्यास करें।

संसाधन और कक्षा प्रबंधन

आपको जिन संसाधनों की आवश्यकता होगी, उनकी एक सूची बनाएँ। आप संसाधनों के वितरण की व्यवस्था किस प्रकार करेंगे? उदाहरण के लिए, आप:

- पहले से ही संसाधनों को अलग–अलग टेबल पर रख सकते हैं और निर्देश दे सकते हैं कि एक टेबल के पास कितने छात्र खड़े होंगे
- छात्रों को समूह बनाने के लिए कह सकते हैं और प्रत्येक समूह के एक सदस्य को संसाधन उठाने के लिए कह सकते हैं
- छात्रों को नाम से बुला सकते हैं और उन्हें संसाधन लेने को कह सकते हैं।

अब आपके पास अपनी कहानी या किसी पुस्तक से ली गयी कहानी पर आधारित एक से अधिक गतिविधियों वाली विस्तृत योजना होनी चाहिए, जिसमें पाठों में लगने वाला समय, अंग्रेज़ी भाषा के वे शब्द, जिनका आप उपयोग करेंगे और छात्रों को उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, तथा इसमें आवश्यक संसाधन शामिल होंगे।

किसी सहकर्मी के साथ मिलकर अपनी योजना की समीक्षा करें और चर्चा के बाद आवश्यक होने पर इसमें परिवर्तन करें।

2 कक्षा में एक से अधिक गतिविधियाँ

एक से अधिक गतिविधियाँ ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षाओं, और मिश्रित आयु–वर्गों तथा मिश्रित क्षमताओं वाली कक्षाओं के प्रबंधन का एक प्रभावी तरीका हो सकती हैं। इससे आपको भी विशिष्ट समूहों को अलग करने का एक अवसर मिलता है, ताकि वे समूह आपके साथ मिलकर अधिक एकाग्रता के साथ बोलने, पढ़ने या लिखने के सत्रों में शामिल हो सकें, जबकि बाकी समूह अपने अन्य कार्य करें। इस तरह, प्रत्येक छात्र सप्ताह के दौरान कभी न कभी आपके साथ केंद्रित पठन में शामिल हो सकेगा। जब आप छोटे समूह के साथ पढ़ते हैं, तो आपको प्रत्येक छात्र के पठन विकास का मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है।

इस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है कि जब छात्र अपने कार्य में व्यस्त होंगे, तब आप क्या करेंगे। आप बारी–बारी से प्रत्येक समूह में जा सकते हैं और पाठ के दौरान उसकी प्रगति का निरीक्षण कर सकते हैं। जब आप समूह कार्य शुरू करते हैं, तो अक्सर यह सुनिश्चित कर लेना उपयोगी होता है कि छात्र

अपना कार्य कर रहे हैं, लेकिन साथ ही आपको छात्रों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे स्वतंत्र रूप से कार्य करें –भले ही केवल दस मिनट के लिए ही सही। इससे उनमें स्वतंत्र रूप से सीखने का कौशल विकसित होगा।

अप्रत्याशित घटनाओं के लिए भी योजना बनाना उनमें याद रखें। आपकी योजना में क्या गड़बड़ी हो सकती है या क्या व्यवधान आ सकता है? हो सकता है कि छात्रों को इस तरीके से काम करने की आदत न हो, या वे आपके निर्देशों को समझ न सकें। आपको अपनी गतिविधि को पुनः व्यवस्थित करने या अपने निर्देशों के तरीके में बदलाव करने की ज़रुरत पड़ सकती है।

छात्रों को स्पष्ट निर्देश दें, ताकि वे यह समझ सकें कि उनके व्यवहार और उनके परिणामों के संदर्भ में क्या आवश्यक है। निर्देशों को दोहराएँ और छात्रों को उन्हें दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि इस बात की पुष्टि हो जाए कि वे इन्हें अच्छी तरह समझ गए हैं। इस बात को पहचानें कि इस भूमिका में स्वयं आपके पास भी अंग्रेज़ी का अभ्यास करने और बोलने के अवसर हैं।

शुरू में आपको इसके लिए विस्तृत योजना बनानी पड़ सकती है, जिसमें कक्षा और समूहों के प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ भी शामिल हैं। समय के साथ–साथ, आपको गतिविधियों की व्यवस्था करना सरल लगने लगेगा, क्योंकि छात्रों को इस दिनचर्या की आदत हो जायेगी।

जब आप गतिविधियों 1 और 2 में आपके द्वारा विकसित की गई योजना को कार्यान्वित करते हैं, तो इन प्रश्नों के उत्तर देने की कोशिश करें, ताकि आप इसके परिणामों से सीख सकें और अगले पाठों में अपनी सीख को लागू कर सकें:

- आपको सबसे ज्यादा अच्छा क्या लगा? और क्यों?
- छात्रों को सबसे ज्यादा अच्छा क्या लगा?
- किस बात को बेहतर तरीके से नियोजित किया जा सकता था?
- इन गतिविधियों से छात्रों को किस हद तक अंग्रेज़ी का अभ्यास करने के अवसर मिले?
- आपने अलग अलग छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गतिविधियों में विविधता की योजना किस प्रकार बनाई?
- आपको स्वयं की अंग्रेज़ी का अभ्यास करने के लिए कौन से अवसर मिले?
- आप अगली बार कौन सा काम अलग तरीके से करेंगे?

वीडियो: पाठ का नियोजन करना

3 सारांश

यह इकाई इस बात पर केंद्रित थी कि आप पाठ्यपुस्तक के पाठों की संभावनाओं का विस्तार करने के लिए गतिविधियों को किस प्रकार व्यवस्थित कर सकते हैं, ताकि प्रत्येक छात्र अंग्रेज़ी सीख सके और इसका अभ्यास कर सके। अच्छी तरह अंग्रेज़ी सीखने के लिए, छात्रों को आपके द्वारा व्यवस्थित किए गए विभिन्न भाषा अनुभवों की आवश्यकता होगी।

अंग्रेज़ी में कुशलता केवल पाठ्यपुस्तक के उपयोग द्वारा विकसित नहीं की जा सकती। भाग्यवश भारत का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और अधिकांश राज्यों के पाठ्यक्रम शिक्षकों को छात्रों की आवश्यकताओं के आधार पर अतिरिक्त गतिविधियाँ चुनने और उनकी योजनाएँ बनाने की स्वतंत्रता देते हैं। इसलिए

अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक को रोचक और सार्थक भाषा शिक्षण गतिविधियों की एक श्रृंखला का प्रारंभिक बिंदु मानें, जहाँ आप अपनी रचनात्मकता और शिक्षण कौशल का उपयोग कर सकते हैं।

इस विषय पर अन्य आरंभिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- *रचनात्मक कलाओं के माध्यम से अंग्रेजी सीखना*
- *अंग्रेज़ी भाषा और 'विषय सामग्री' एकीकरण*
- *साझा पठन*
- *पठन का विकास और उसका अनुश्रवण*

संसाधन

संसाधन 1: 'The Puri Boy'

Once upon a time, an old woman and her husband lived alone in a little old house. They had no children. One day the woman made a puri shaped like a boy. She carefully rolled out the dough, and cut out a very nice-looking boy. What a fine looking boy he was!

The old woman put him in the pan full of hot oil, to fry. After he was fully fried and fluffy, she carefully lifted him from the pan. Up jumped the puri boy, and he ran out the door saying, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The old woman and the old man ran after him, but they could not catch him.

And so the Puri boy ran and ran. While he was running, he met a cow.

'Moo,' said the cow. 'You look very fine! Fine enough to eat!' and the cow started to chase the little boy.

But the puri boy ran faster, saying, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, and I can run away from you!'

And he laughed, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The cow ran after the puri boy, but it could not catch him.

While he ran, he met a cat.

'Meow,' said the cat. 'You look good enough to eat. I'm going to eat you, puri boy.'

But the puri boy just laughed, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, I ran away from a cow, and I can run away from you!'

And so he ran singing, 'Run, run, as fast as you can! You can't catch me! I'm the puri boy!'

The cat ran after the puri boy, but it could not catch him. The puri boy was proud that he could run so fast.

'Nobody can catch me,' he thought. So he kept on running until he met a fox. He wanted to tell the fox how he ran faster than all the others.

'Mr Fox,' he said, 'I ran away from an old woman, I ran away from an old man, I ran away from a cow, I ran away from a cat, and I can run away from you.'

'Why would I want to eat you?' asked Mr Fox. 'I do not like puris.'

The puri boy was happy to hear this. He stopped running. Immediately, the fox ate him up. The fox said, 'Sorry, puri boy – I do like puris.'

संसाधन 2: समूहकार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो छात्रों के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने को प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी अधिगम को बढ़ावा देते हैं।

समूहकार्य के लाभ

समूहकार्य विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके विद्यार्थी दूसरों को सिखा भी सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह जो सीखने का एक बेहद सशक्त और सक्रिय तरीका है।

समूहकार्य में छात्रों का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बारे में स्पष्ट होना होगा कि आप सीखने के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़े में कार्य या विद्यार्थियों के स्वयं कार्य करने से बेहतर क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

समूह कार्य का नियोजन करना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप अधिगम के किस लक्ष्य को पाना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने छात्रों से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक अध्यापक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजना पहले ही बना लेते हैं।

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि के लिए आबंटित समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूह कार्य के काम

वह काम जो आप अपने छात्रों से पूरा करने के लिए कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक-दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। हालांकि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतीकरण :** छात्र समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतीकरण तैयार कर सकते हैं। यह सबसे अधिक उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे की बात सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रस्तुतीकरण करने के लिए प्रत्येक समूह को दिये गये समय के बारे में प्रतिबद्ध रहें। अच्छे प्रस्तुतीकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। छात्र मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतीकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
  - क्या प्रस्तुतीकरण स्पष्ट था?
  - क्या प्रस्तुतीकरण सुसंरचित था?
  - क्या मैंने प्रस्तुतीकरण से कुछ सीखा?
  - क्या प्रस्तुतीकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?
- **समस्या को हल करना:** छात्र किसी समस्या या समस्याओं की एक शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास के साक्ष्य का विश्लेषण करना शामिल हो सकता है।
- **कोई कलाकृति या उत्पाद तैयार करना :** छात्र समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी का सारांश बनाने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर का विकास कर सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत जानकारी मिलेगी कि उन्हें पहले से क्या पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न आयु या दक्षता स्तरों के छात्रों को किसी उपयुक्त लक्ष्य हेतु मिलकर काम करने देने का अवसर है। उच्च दक्षता वाले विद्यार्थी काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिए कक्षा की बजाय समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।

- **चर्चा:** छात्र किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए छात्रों के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या वाद–विवाद का आयोजन आप के और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

समूहों का नियोजन करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपके विद्यार्थियों की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप छात्रों को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएं कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूहकार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए क्रियाकलाप और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो छात्रों को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे कार्य करने में आनन्द का अनुभव करेंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक निर्देश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने छात्रों को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में उन स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या स्कूल बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना चाहिए और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदल सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **'विशेषज्ञ समूह':** प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को इस प्रकार पुनर्गठित करें कि प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक सदस्य (विशेषज्ञ) से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों की जानकारी को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पॉवर स्टेशन बनाना या नाटक का अंश तैयार किया जाये।
- **'संदेशवाहक':** यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक संदेशवाहक को भेजने के लिए कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना दूसरे समूहों के साथ करके फिर वापस अपने समूह में आ सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको नज़र आई किसी भी गलतफहमी को सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। छात्रों की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी-कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ विद्यार्थी :

- सक्रिय अधिगम का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्वैयक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके छात्रों ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समय या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि छात्रों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए समूहों में सीखने का हर समय उपयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका उपयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात शुरु करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को हल करने या कक्षा में अनुभवजन्य शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T. (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy.* Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell.* London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami, U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read.* London: Routledge.

Goswami, U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages' in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling.* Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School.* London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy.* London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

द पूरी बॉय': RVEC द्वारा अनुकूलित एवं विकसित पारंपरिक कहानी (http://www.rvec.in/)। (The Puri Boy': a traditional tale adapted and developed by the RVEC (http://www.rvec.in/).)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।